**Marking Scheme**
**Strictly Confidential**
**(For Internal and Restricted use only)**
**Senior Secondary School Examination, 2026 (XII$^{th}$)**
**SUBJECT NAME: - PAINTING (Q.P. CODE-71)**

<u>सामान्य निर्देश:-</u>

| | |
|---|---|
| **1** | सीबीएसई ने 2026 की परीक्षा से कक्षा XII की उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन के लिए ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) शुरू करने का निर्णय लिया है। |
| **2** | आप जानते हैं कि उम्मीदवारों के वास्तविक और सही आकलन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती भी गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकती है, जिससे उम्मीदवारों, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे के भविष्य पर गहरा असर पड़ सकता है। गलतियों से बचने के लिए, आपसे अनुरोध है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले, मौके पर किए गए मूल्यांकन के दिशानिर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और समझें। |
| **3** | "मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। किसी भी तरह से इसका सार्वजनिक होना परीक्षा प्रणाली को बाधित कर सकता है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति/दस्तावेज़ को किसी के साथ साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना बोर्ड के विभिन्न नियमों और आईपीसी के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।" |
| **4** | मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना चाहिए। यह किसी की व्यक्तिगत व्याख्या या अन्य किसी विचार के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, मूल्यांकन करते समय, नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित और/या नवीन उत्तरों की शुद्धता का अलग से मूल्यांकन किया जा सकता है और उन्हें उचित अंक दिए जा सकते हैं। कक्षा XII में, दो योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और यदि उत्तर अंकन योजना के अनुसार नहीं है, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता का उल्लेख किया गया है, तो उचित अंक दिए जाने चाहिए। |
| **5** | अंकन योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए अंक दिए गए हैं।<br>ये केवल दिशानिर्देश हैं और पूर्ण उत्तर नहीं हैं। छात्र अपनी अभिव्यक्ति दे सकते हैं और यदि अभिव्यक्ति सही है, तो तदनुसार अंक दिए जाने चाहिए। |

| | |
|---|---|
| **6** | मुख्य परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकित की गई पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं की जाँच करनी चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि कोई भिन्नता पाई जाती है, तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद उसे शून्य कर दिया जाना चाहिए। शेष उत्तर पुस्तिकाएँ, जिनका मूल्यांकन किया जाना है, तभी दी जाएँगी जब यह सुनिश्चित हो जाए कि प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के अंकन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं है। |
| **7** | मूल्यांकनकर्ता सही उत्तरों पर (√) चिह्न लगाएंगे। गलत उत्तरों पर 'X' का निशान लगाया जाएगा। मूल्यांकन करते समय मूल्यांकनकर्ता सही (✓) चिह्न नहीं लगाएंगे, जिससे यह आभास होगा कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिए जाएंगे। यह मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा की जाने वाली सबसे आम गलती है। |
| **8** | यदि किसी प्रश्न के कई भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए OSM पोर्टल में दाईं ओर अंक दें। प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को OSM सिस्टम द्वारा कुल मिलाकर जोड़ा जाएगा। |
| **9** | यदि किसी प्रश्न के कोई भाग नहीं हैं, तो OSM पोर्टल में बाईं ओर के हाशिये में अंक दिए जाने चाहिए। इसका सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। |
| **10** | किसी त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटे जाएंगे। इसके लिए केवल एक बार ही दंड दिया जाना चाहिए। |
| **11** | उत्तर के लिए पूर्ण अंक प्रणाली <u>30</u> (उदाहरण के लिए प्रश्न पत्र में दिए गए 0 से 80/70/60/50/40/30 अंक) का उपयोग किया जाना है। यदि उत्तर उचित हो तो पूर्ण अंक देने में संकोच न करें। |
| **12** | प्रत्येक परीक्षक को अनिवार्य रूप से पूरे कार्य समय यानी प्रतिदिन 8 घंटे मूल्यांकन कार्य करना होगा और मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं और अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (विवरण स्पॉट दिशानिर्देशों में दिया गया है)। यह कम किए गए पाठ्यक्रम और प्रश्नपत्र में प्रश्नों की संख्या को ध्यान में रखते हुए किया गया है। |
| **13** | सुनिश्चित करें कि आप परीक्षक द्वारा अतीत में की गई निम्नलिखित सामान्य त्रुटियों को न दोहराएँ:<br>● उत्तरों को सही चिह्नित करना, लेकिन अंक न देना। (सुनिश्चित करें कि सही निशान स्पष्ट रूप से लगा हो। यह केवल एक रेखा होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिए X का निशान भी ऐसा ही होना चाहिए।) |

| | |
|---|---|
| | उत्तर का आधा या आंशिक भाग सही और शेष गलत चिह्नित करना, लेकिन अंक न देना। |
| **14** | उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो उसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए। |
| **15** | वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले परीक्षकों को "मौके पर मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश" में दिए गए दिशा-निर्देशों से स्वयं को परिचित कर लेना चाहिए। |
| **16** | निर्धारित प्रोसेसिंग शुल्क का भुगतान करने पर उम्मीदवारों को अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने का अधिकार है। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/मुख्य परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए निर्धारित अंकों के अनुसार ही किया जाए। |
| **17** | अगर कोई कैंडिडेट किसी सवाल में दोनों ऑप्शन आज़माता है, जहाँ सिर्फ़ एक ऑप्शन आज़माना ज़रूरी है, तो इवैल्यूएटर दोनों ऑप्शन में मार्क्स देगा। सिस्टम दो में से ज़्यादा वाला स्कोर लेगा और दूसरे जवाब को नज़रअंदाज़ कर देगा। |
| **18** | दो विकल्पों वाले प्रश्न में, यदि उम्मीदवार ने केवल एक का प्रयास किया है, तो मूल्यांकनकर्ता उस विकल्प के सामने “एनए” (प्रयास नहीं किया गया) चिह्नित करेगा जिसका उम्मीदवार द्वारा प्रयास नहीं किया गया है। |

# मार्किंग स्कीम

## पेंटिंग (थ्योरी) (भारतीय कला का इतिहास)

## (सब्जेक्ट कोड-049)

## (पेपर कोड-71)

| प्र सं. | अपेक्षित परिणाम/मूल्य अंक | अंक |
|---|---|---|
| | **खंड - क**<br>**(बहुविकल्पीय प्रश्न)** | **8X1=8** |
| **1.** | (A) | **1** |
| **2.** | (D) | **1** |
| **3.** | (A) (कबीर और रैदास) | **1** |
| **4.** | (B) | **1** |
| **5.** | (B) | **1** |
| **6.** | (C) | **1** |
| **7.** | (A) | **1** |
| **8.** | (C) (वाश) | **1** |
| | **खंड - ख**<br>**(लघु उत्तरीय प्रश्न)**<br>**(इन प्रश्नों का उत्तर लगभग 100 शब्दों में अपेक्षित है)** | **5X2=10** |
| **9. A(i)** | **कलाकृति -** संथाल परिवार<br>**उपयोग की जाने वाली सामग्री-** सीमेंट, कंक्रीट और धातु आर्मेचर | **1/2**<br>**1/2** |
| **9. A(ii)** | विषय-वस्तु :<br>यह शांतिनिकेतन में स्थित एक प्रतिष्ठित विशालकाय मूर्तिकला है। इसमें एक संथाल पुरुष को कंधे पर डंडे से जुड़े दो **टोकरियों** में अपने बच्चे को उठाए हुए दिखाया गया है। उसके साथ उसकी पत्नी और एक कुत्ता भी चलते हुए दिखाई देते हैं। यह परिवार अपने आवश्यक सामान के साथ एक स्थान से दूसरे स्थान की ओर प्रवास करता हुआ दर्शाया गया है। ग्रामीण परिवेश में रहने वाले कलाकार के लिए यह एक सामान्य और दैनिक जीवन का दृश्य था, जिसे उन्होंने अत्यंत यथार्थपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया है।<br>संदेश **- परिवार / साहस और आशा की एकता** | **1/2**<br>**1/2** |
| | **या** | |
| **9. B(i)** | **कलाकृति** - श्रम की विजय<br>**सामग्री** - कांस्य और सीमेंट | **1/2**<br>**1/2** |

| | | |
|---|---|---|
| **9. B(ii)** | विषय-वस्तु :<br>श्रम की विजय (1959) मरीना बीच, चेन्नई में स्थापित एक विशाल मुक्त-आकाशीय मूर्तिकला है। इसमें चार श्रमिकों को एक बड़े पत्थर को धकेलते हुए दिखाया गया है, जो राष्ट्र निर्माण में मानव श्रम और सामूहिक प्रयास के महत्व को दर्शाती है।<br>संदेश - यह मूर्ति चार सशक्त पुरुषों को प्रकृति की शक्तियों से संघर्ष करते हुए दर्शाती है। इसमें मजबूत मांसपेशियों वाले श्रमिकों द्वारा एक विशाल और अचल चट्टान को हटाने के लिए किए जा रहे चरम शारीरिक प्रयास को चित्रित किया गया है। यह दृश्य श्रम की गरिमा, सामूहिक प्रयास और एकता की भावना को प्रभावशाली ढंग से व्यक्त करता है। साथ ही, यह इस बात का प्रतीक है कि दृढ़ संकल्प और इच्छाशक्ति के बल पर मनुष्य सबसे कठिन कार्यों में भी सफलता प्राप्त कर सकता है। | **1/2**<br><br>**1/2** |
| **10. A(i)** | **कलाकार** : मनकू<br>**उप–शैली** : बसोहली शैली | **1/2**<br>**1/2** |
| **10. A(ii)** | **विशेषताएँ** :<br>• प्राथमिक तथा चमकीले रंगों का प्रमुख प्रयोग, मोतियों के आभूषणों का प्रभाव दिखाने के लिए उभरे हुए सफेद रंग का उपयोग, पन्ना जैसे आभूषणों के प्रभाव के लिए भृंग (बीटल) के पंखों का प्रयोग, ऊँची क्षितिज रेखा का प्रयोग।<br>• लोक कला का प्रभाव, पतले और पारदर्शी वस्त्रों का चित्रण, वनस्पति का शैलीबद्ध चित्रण, पात्रों के बीच जीवंत संवाद और गतिशीलता, प्राकृतिक पृष्ठभूमि का सूक्ष्म एवं विस्तृत चित्रण। | **1/2**<br><br>**1/2** |
| | **या** | |
| **10. B(i)** | **कलाकार** : नैन्सुख<br>**उप–शैली** : कांगड़ा शैली | **1/2**<br>**1/2** |
| **10. B(ii)** | **विशेषताएँ** :<br>• प्राकृतिक दृश्यों का प्राकृतिक एवं यथार्थपरक चित्रण, प्रकृति का व्यापक और सौन्दर्यपूर्ण उपयोग, वृक्षों, फूलों, नदियों और पहाड़ियों जैसे प्राकृतिक तत्वों के बीच सामंजस्यपूर्ण संतुलन।<br>• लाल, पीले और नीले जैसे सजावटी रंगों का प्रयोग, स्पष्ट और प्रभावशाली भाव–अभिव्यक्तियाँ, दृश्यात्मक कथा–वर्णन, ग्रामीण जीवन का यथार्थपरक चित्रण, समृद्ध और सूक्ष्म विवरणों से युक्त वेशभूषा का अंकन। | **1/2**<br><br>**1/2** |
| **11. A(i)** | **चित्र** : चित्रकूट में भरत और राम की भेंट<br>**कलाकार** : गुमान | **1/2**<br>**1/2** |
| **11. A(ii)** | मानवीय मूल्य: | **1/2** |

| | | |
|---|---|---|
| | • **अन्याय के विरुद्ध सुधार :** जब राम को वनवास भेजा गया और राजा दशरथ का निधन हुआ, उस समय भरत वहाँ उपस्थित नहीं थे। यह समाचार सुनकर वे अत्यंत पश्चाताप से भर उठे। वे तीनों माताओं, महर्षि वशिष्ठ तथा अन्य दरबारियों के साथ राम से मिलने चित्रकूट जाते हैं और उनसे अयोध्या लौटने का आग्रह करते हैं।<br>• **सम्मान :** राम, लक्ष्मण और सीता तीनों माताओं तथा दोनों ऋषियों के प्रति आदर प्रकट करते हुए उनके चरणों में झुकते हैं।<br>• **बड़ों की आज्ञा का पालन :** माता-पिता तथा बड़ों के निर्देशों का पालन करने की भावना को दर्शाया गया है। परिवार के प्रति गहरा प्रेम, निष्ठा और दिए गए वचनों को निभाने की भावना का चित्रण। दूसरों के हित के लिए अपने सुख-सुविधाओं का त्याग करने की क्षमता को दर्शाया गया है। | 1/2 |
| | **या** | |
| 11.B(i) | **चित्र** : चाँद बीबी पोलो खेलते हुए<br>**उप–शैली** : बीजापुर / गोलकोंडा शैली | 1/2<br>1/2 |
| 11.B(ii) | **सौंदर्यात्मक मानदंडों के आधार पर व्याख्या :**<br>यह चित्र चाँद बीबी को एक उत्कृष्ट खेलप्रेमी के रूप में प्रस्तुत करता है। इसमें उन्हें चौगान (पोलो) खेलते हुए दर्शाया गया है, जो उस समय का एक लोकप्रिय शाही खेल था। चित्र में सुसज्जित घोड़े, कोमल एवं आकर्षक वेशभूषा दृश्य की सौंदर्यात्मकता को बढ़ाते हैं। पृष्ठभूमि में चट्टानें, वृक्ष और भवनों से युक्त प्राकृतिक परिदृश्य चित्र में संतुलन और प्रकृतिसौंदर्य का समावेश करता है।<br>**महिला सशक्तिकरण :**<br>यह चित्र असाधारण ऊर्जा और संवेदनशीलता से परिपूर्ण है। इसमें स्त्री को आत्मविश्वास के साथ खेल में सक्रिय रूप से भाग लेते हुए दिखाया गया है। साथ ही यह चित्र नेतृत्व और सार्वजनिक गतिविधियों में महिलाओं की प्रगतिशील भूमिका का उत्सव मनाता है, जो उस समय के संदर्भ में एक अत्यंत दुर्लभ और विशिष्ट विषय था। | 1/2<br>1/2 |
| 12. A(i) | **कलाकार** : निहाल चंद<br>**चित्र** : राधा (बनी–ठनी) | 1/2<br>1/2 |
| 12. A(ii) | **विशेषताएँ :**<br>• अतिरंजित मुखाकृति इस चित्र की एक विशिष्ट और प्रमुख शैलीगत विशेषता है। इसमें तीक्ष्ण एवं स्पष्ट चेहरे की रेखाएँ, अनोखी घुमावदार आँखें, धनुषाकार भौंहें, नुकीली नाक, पतले होंठ तथा सौम्य और आकर्षक मुद्राएँ दिखाई देती हैं। | 1/2 |

| | | |
|---|---|---|
| | • कोमल किन्तु चमकीले प्राकृतिक रंगों का प्रयोग चित्र में नाजुक और सौंदर्यपूर्ण दृश्य प्रभाव उत्पन्न करता है। आभूषणों, वस्त्रों तथा फूलों में सूक्ष्म और बारीक विवरण दिखाई देते हैं, जो राजसी जीवन की परिष्कृत और सुरुचिपूर्ण अभिरुचि को प्रतिबिंबित करते हैं।. | 1/2 |
| | **या** | |
| 12. B(i) | **कलाकार** : साहिबदीन<br>**चित्र** : मारू रागिनी | 1/2<br>1/2 |
| 12. B(ii) | **विशेषताएँ :**<br>• धार्मिक विषयों का चित्रण, जिनमें मुख्यतः हिन्दू पौराणिक कथाएँ जैसे **रामायण** और **महाभारत** का अंकन किया गया है। साथ ही भक्ति से संबंधित विषय जैसे रासलीला, कृष्ण-लीला तथा लोक कथाओं का भी चित्रण मिलता है।<br>• महाराजाओं, दरबारियों, शिकार के दृश्य, जुलूसों तथा राजदरबार के दैनिक जीवन का चित्रण।<br>• मानव आकृतियों का शैलीबद्ध रूप तथा प्रकृति का अत्यंत स्नेह और कल्पनाशीलता के साथ चित्रण।<br>• प्राथमिक और चमकीले रंगों का सशक्त प्रयोग, जो खनिजों, वनस्पतियों, बहुमूल्य पत्थरों तथा शंख-सीप से प्राप्त प्राकृतिक रंगों से तैयार किए जाते थे। | 1/2<br>1/2 |
| 13. A(i) | **ध्वज के रंगों का अर्थ:**<br>**केसरिया (भगवा)** रंग **साहस और** बलिदान का प्रतीक है।<br>**सफेद** रंग **शांति और पवित्रता** का प्रतीक है।<br>**हरा** रंग विश्वास **और समृद्धि** का प्रतीक है। | 1 |
| 13. A(ii) | **समर्पित नागरिक :**<br>राष्ट्रीय ध्वज हमारे राष्ट्र की **एकता, संप्रभुता, कर्तव्य, जिम्मेदारी और राष्ट्र के प्रति गर्व** का प्रतीक है। इसके रंग और चिह्न हमें **जागरूक और जिम्मेदार बनने के लिए प्रेरित करते हैं**, जो एक समर्पित नागरिक बनने के लिए आवश्यक हैं।<br>इसके माध्यम से हमें अपने देश के प्रति समर्पित रहने, अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करने और राष्ट्र की प्रगति तथा विकास में योगदान देने की प्रेरणा मिलती है। | 1 |
| | **या** | |
| 13. B(i) | **नाम**: समुद्र के अभिमान का विनाश करते हुए राम<br>**माध्यम**: कैनवास पर तेल रंग | 1 |

| | | |
|---|---|---|
| **13. B(ii)** | **व्याख्या :**<br>इस चित्र में **गहरे और हल्के टोन** का प्रभावी उपयोग किया गया है। साथ ही **भूरे, नारंगी और पीले** जैसे **उष्ण तथा मद्धिम रंगों** का प्रयोग किया गया है। **सफेद रंग** का अत्यंत कुशलतापूर्वक उपयोग **बिजली की चमक, समुद्र की झाग और राम के वस्त्र** को उभारने के लिए किया गया है।<br>चित्र में एक **नाटकीय और महत्वपूर्ण क्षण** को दर्शाया गया है, जो अत्यंत भावनात्मक प्रभाव उत्पन्न करता है। इसमें **समुद्र देवता पर क्रोध, प्रचंड बिजली और गरजते तूफ़ान** का प्रभाव दिखाई देता है। **लहराती हुई धोती, यथार्थपरक चित्रांकन, विनाशकारी समुद्री लहरें** तथा चित्र की **सौंदर्यात्मक विशेषताएँ** इसकी अभिव्यक्ति को और अधिक प्रभावशाली बनाती हैं। | **1** |
| | **<u>खंड - ग</u>**<br>**दीर्घ उत्तरीय प्रश्न:**<br>दिए गए विकल्पों में से **किसी भी दो प्रश्नों** का उत्तर दीजिए।<br>प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **लगभग 200 शब्दों** में अपेक्षित है। | **6X2=12** |
| **14. (A)** | **कलाकार :** नूरुद्दीन**शैली**<br>**उपशैली :** बीकानेर शैली<br>**माध्यम :** टेम्परा / जलरंग<br>**स्त्री आकृतियाँ :** 3 | **2** |
| **(B)** | **संरचनात्मक व्यवस्था :**<br>यह चित्र **सरल संरचना** पर आधारित है, जिसमें वास्तुकला और प्राकृतिक परिदृश्य के तत्वों का **संकेतात्मक और न्यूनतम चित्रण** ऊपरी भाग में दिखाई देता है। चित्र में **कृष्ण एक झूले पर बैठे हुए हैं और एक गोपी के साथ उसके निवास स्थान पर आनंद ले रहे हैं।**<br>चित्र के मध्य में एक **मृदु, लहरदार टीला** चित्र को दो भागों में विभाजित करता है। कथा का प्रवाह **ऊपर से नीचे की ओर** चलता है, जिसमें गतिविधियाँ **घर के भीतर से बाहर की ओर** प्रगति करती हुई दिखाई देती हैं।<br>चित्र के निचले भाग में **कृष्ण, राधा और एक सखी** का चित्रण है। **राधा दुःख से व्याकुल होकर अकेली ही एक वृक्ष के नीचे ग्रामीण परिवेश में चली जाती हैं।** अपराध-बोध से ग्रस्त **कृष्ण व्यर्थ ही उनका पीछा करते हैं।** राधा की **सखी कृष्ण के पास आकर उन्हें राधा की पीड़ा के बारे में बताती है और उन्हें राधा को मनाने के लिए कहती है।** | **2** |
| **(C)** | प्रमुख विशेषताएँ : | **2** |

| | | |
|---|---|---|
| | • यह चित्र **वर्षा ऋतु के आनंद, प्रकृति के साथ सामंजस्य तथा श्रृंगार रस की अभिव्यक्ति** को दर्शाता है।<br>• इसमें **द्वि-आयामी और रेखात्मक सौंदर्य** दिखाई देता है।<br>• चमकीले और सपाट रंगों का प्रयोग दिखाई देता है।<br>• चेहरे **प्रोफ़ाइल में** बनाए गए हैं तथा **घाघरा-चोली और पारदर्शी ओढ़नी** का चित्रण किया गया है। | |
| **15. (A)** | **चित्र :** शिव और सती<br>माध्यम : जलरंग / वॉश तकनीक<br>**मानवीय मूल्य** :<br>भक्ति और बलिदान **:**<br>सती का **आत्मदाह** और शिव का **संरक्षणकारी आलिंगन** उनके प्रेम और निष्ठा की गहराई को दर्शाता है।<br>करुणा और शोक :<br>शिव की शक्ति के बजाय उनके **दुःख को दर्शाकर**, यह चित्र हमें पीड़ित लोगों के प्रति **सहानुभूति** रखने की प्रेरणा देता है। | **2** |
| **(B)** | **चित्र की सफलता :**<br>चित्र में **त्रिकोणीय संरचना** के माध्यम से **सममित संतुलन** स्थापित किया गया है।<br>**कला के तत्वों का प्रयोग :**<br>रेखाओं का उपयोग सूक्ष्म विवरणों के लिए किया गया है, जिससे **जीवनसाथी को खोने के दुःख की भावनात्मक अभिव्यक्ति** स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।<br>**आकृतियाँ और रूप :**<br>दैवीय आकृतियों को **अभिव्यक्तिपूर्ण रूपों और आकारों** के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। **आभामंडल** जैसे तत्वों का प्रयोग दर्शकों का ध्यान **सती की मृत्यु पर शिव के शोक** की ओर केंद्रित करता है।<br>**रंग :**<br>टेम्परा माध्यम में **चमकीले रंगों** का प्रयोग भावनाओं को व्यक्त करता है, जबकि **पीले-भूरे रंगों** का उपयोग चित्र को नाटकीय और समृद्ध दृश्य अनुभव प्रदान करता है।<br>**बनावट :**<br>वॉश तकनीक के माध्यम से पृष्ठभूमि में **सूक्ष्म और जटिल विवरण** निर्मित किए गए हैं।<br>**छायांकन :** | **2** |

| | | |
|---|---|---|
| | छायांकन से दृश्य के **दैवीय और भावनात्मक पक्ष** को और अधिक प्रभावशाली बनाया गया है।<br>**स्थान :**<br>चित्र में **समतल परिप्रेक्ष्य (Flattened Perspective)** का उपयोग किया गया है, जिससे घटना के महत्व पर अधिक बल दिया गया है। | |
| **(C)** | राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान देने वाले कलाकार (कोई भी चार)<br>**अबनिंद्रनाथ टैगोर, के. वेंकटप्पा, गगनेन्द्रनाथ टैगोर, शैलेन्द्रनाथ दे, ओ. सी. गंगोली, पूर्णा घोष, अमृता शेर-गिल** | **2** |
| **16. (A)** | **कलाकार :** एम. एफ. हुसैन<br>**चित्र :** मदर टेरेसा<br>**माध्यम :** कैनवास पर तेल रंग<br>**मानवीय मूल्य** :<br>गरीब और असहाय लोगों के प्रति **करुणा**<br>**धर्म और जाति से परे निःस्वार्थ सेवा** | **2** |
| **(B)** | **विषयवस्तु :**<br>यह चित्र मदर टेरेसा को प्रतीकात्मक रूप से **सार्वभौमिक माँ** के रूप में प्रस्तुत करता है, जिन्होंने अपना जीवन गरीब, बीमार और बेसहारा लोगों की सेवा में समर्पित कर दिया।<br>उन्हें उनकी पहचान को उभारने के लिए **नीली किनारी वाली सफेद साड़ी** में दर्शाया गया है। उनका **बिना चेहरे का चित्रण** उनके **निःस्वार्थ भाव और मानवीय सेवा के कालातीत स्वरूप** को दर्शाता है। | **2** |
| **(C)** | **संरचनात्मक व्यवस्था :**<br>चित्र में **देखभाल, पीड़ा और आश्रय** के विभिन्न दृश्य प्रस्तुत किए गए हैं, जिनमें बीमार व्यक्तियों, शिशुओं और अनाथों की देखभाल दिखाई देती है।<br>**कोमल रंगों और अभिव्यक्तिपूर्ण ब्रश स्ट्रोक्स** के प्रयोग से चित्र की सौंदर्यात्मकता और प्रभाव बढ़ता है।<br>एक बीमार व्यक्ति का **उनकी गोद में विश्राम करते हुए चित्रण** दया और उपचार की भावना उत्पन्न करता है, जबकि उनका **आगे बढ़ा हुआ हाथ अभय मुद्रा का संकेत देता है**, जो दिव्य आश्वासन का प्रतीक है।<br>अन्य तत्व जैसे **गेरुए रंगों की छटा, हरी पत्तियाँ और मोज़ेक जैसी संरचनाएँ** इस चित्र में आध्यात्मिक और भावनात्मक गहराई जोड़ते हैं। | **2** |
| | **- o O o -** | |